प्रबाल बासु
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
Prabal Basu
Chairman & Managing Director

21, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता–700 001, भारत
फोन : +91 (33) 2213 4664 (सीधा), (033) 2222 5701 (डीआईडी)
फैक्स : +91 (33) 2222 5500
ई–मेल : basu.p@balmerlawrie.com

21, Netaji Subhas Road, Kolkata - 700 001, India
Phone : +91 (33) 2213 4664 (D), (033) 2222 5701 (DID)
Fax : +91 (33) 2222 5500
E-mail : basu.p@balmerlawrie.com
CIN : L15492WB1924GOI004835

27h October, 2017

**MESSAGE**

Dear Colleagues,

I am glad that like every year, this year too, we at Balmer Lawrie have geared up to observe the "Vigilance Awareness Week" from 30th October to 4th November, 2017. The theme this year "My Vision – Corruption Free India" decided by the Central Vigilance Commission is very apt and will give a filip to realising Hon'ble Prime Minister, Shri Narendra Modi's vision of a New India.

Corruption is generally defined as a dishonest or unethical conduct by a person entrusted with a position of authority, either to obtain benefits to one self or to some other person. It is a global problem, affecting all strata of society in some way or the other. Corruption undermines political development, democracy, economic development, the environment, people's health and much more. It is, therefore, imperative that the public must be sensitised and motivated to play an active part in the Commission's anti-corruption efforts.

Transparency, equity and fair play should be the guiding principles of any ethical business organisation. Vigilance would ensure the practice of these cardinal principles in order to build successful and corruption free organisation. Vigilance is not a hindrance to successful conduct of business rather it is a facilitator and cornerstone of a successful enterprise. In the era of activism of all kinds, it is good to remain vigilant and act in a transparent manner. Sometimes people commit unintentional mistakes and keep repenting later on. The knowledge of administrative guidelines/systems and procedures is critical for an officer to discharge his duties and exercise control over his domain in a meaningful manner. It is important to remain impartial and be transparent in order to win the confidence of our stakeholders.

In today's liberalised and highly competitive environment that commercial organisations operate in vigilance functionaries have a very important role to play. An impartial and efficient vigilance machinery can inculcate a culture of integrity within the organisation and enhance its reputation and standing in the eyes of the society. In fact, the onus of being vigilant should not rest merely with the few officials manning the Vigilance Department, it should permeate down the length and breadth of the organisation, and every employee should endeavour to be a vigilance evangelist.

I am really thankful to our Chief Vigilance Officer, Dr. A.K. Ambasht and the entire team of Vigilance Department for their endeavour in promoting vigilance awareness and spreading the message of good governance, code of ethics and greater transparency, thereby with the objectives of a corruption free environment. It is also our duty to actively participate in the programmes of Vigilance Awareness Week-2017. My best wishes to the Vigilance Team.

With warm regards,

Prabal Basu

प्रबाल बासु
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
Prabal Basu
Chairman & Managing Director

21, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता–700 001, भारत
फोन : +91 (33) 2213 4664 (सीधा), (033) 2222 5701 (डीआईडी)
फैक्स : +91 (33) 2222 5500
ई–मेल : basu.p@balmerlawrie.com

21, Netaji Subhas Road, Kolkata - 700 001, India
Phone : +91 (33) 2213 4664 (D), (033) 2222 5701 (DID)
Fax : +91 (33) 2222 5500
E-mail : basu.p@balmerlawrie.com
CIN : L15492WB1924GOI004835

27, अक्टूबर, 2017

**<u>संदेश</u>**

प्रिय साथियों,

मुझे प्रसन्नता है कि हर वर्ष की तरह, इस वर्ष भी, हम 30 अक्टूबर से 4 नवंबर, 2017 तक बामर लॉरी में "सतर्कता जागरूकता सप्ताह" मनाने के लिए तैयार हैं। केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा निर्धारित इस वर्ष का विषय "मेरा स्वप्न - भ्रष्टाचार मुक्त भारत" अत्यंत उपयुक्त है और यह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए एक प्रेरणा प्रदान करेगा।

आम तौर पर, भ्रष्टाचार को किसी प्राधिकार प्राप्त व्यक्ति द्वारा स्वयं या किसी अन्य व्यक्ति के लाभ के लिए किए जाने वाले बेईमान या अनैतिक आचरण के रूप में परिभाषित किया जाता है। यह एक वैश्विक समस्या है, जो किसी न किसी रूप से समाज के सभी स्तरों को प्रभावित करती है। भ्रष्टाचार राजनीतिक विकास, लोकतंत्र, आर्थिक विकास, पर्यावरण, लोगों के स्वास्थ्य और अन्य बहुत सी चीजों को बाधित करता है। इसलिए, यह अनिवार्य है कि लोगों को आयोग के भ्रष्टाचार-रोधी प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया जाए।

पारदर्शिता, समानता और निष्पक्ष कार्य का, किसी भी नैतिक व्यवसायिक संगठन का मार्गदर्शक सिद्धांत होना आवश्यक है। सतर्कता, संगठन को सफल और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए इन मुख्य सिद्धांतों का अनुपालन सुनिश्चित करेगी। सतर्कता व्यवसाय के सफल संचालन में बाधा नहीं, बल्कि एक सफल उद्यम की आधारशिला और समन्वयकर्ता है। हर प्रकार की सक्रियता के इस युग में, सतर्क रहना और पारदर्शी तरीके से कार्य करना अच्छा है।

कभी-कभी लोग अनजाने में गलती कर बैठते हैं और बाद में उस पर पश्चाताप करते हैं। एक अधिकारी को प्रशासनिक दिशानिर्देशों/प्रणालियों और प्रक्रियाओं का ज्ञान होना महत्वपूर्ण है ताकि वह अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने और अपने अधिकार क्षेत्र को नियंत्रित करने में, एक सार्थक तरीके से उनका उपयोग कर सके। अपने हितधारकों के विश्वास को जीतने के लिए निष्पक्ष रहना और पारदर्शी होना अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

आज व्यावसायिक संगठन जिस उदार एवं अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल में काम करते हैं, उसमें सतर्कता कार्यकर्ताओं की एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है। एक निष्पक्ष और कुशल सतर्कता तंत्र, संगठन के भीतर एकता की संस्कृति उत्पन्न कर सकता है और समाज की दृष्टि में इसकी प्रतिष्ठा और स्थिति को बढ़ा सकता है। दरअसल, सतर्क रहने की जिम्मेदारी केवल सतर्कता विभाग का संचालन करने वाले कुछ अधिकारियों की न होकर, पूरे संगठन में प्रसारित होनी चाहिए और प्रत्येक कर्मचारी को सतर्कता प्रचारक बनने का प्रयास करना चाहिए।

मैं सतर्कता जागरूकता को बढ़ावा देने और अच्छे प्रशासन, नैतिकता के नियम और पारदर्शिता के संदेश को प्रसारित करने के साथ ही भ्रष्टाचार मुक्त पर्यावरण के उद्देश्यों के पूरा करने के प्रयासों के लिए अपने मुख्य सतर्कता अधिकारी, डॉ. ए. के. अंबास्त और सतर्कता विभाग की पूरी टीम का अत्यंत आभारी हूँ। यह हमारा भी कर्तव्य है कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2017 के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लें। सतर्कता टीम को मेरी शुभकामनाएं ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

प्रबाल बासु

प्रबाल बासु